

Wort: अडुह्त्वाक्यं डुह्त्माहुः PĀṆKAT. Br. 17, 1. उक्तानुक्तडुह्त्वा-  
चिताकारि तु वार्तिकम् H. 256. Verz. d. Oxf. H. 173, b, pen. डुह्त्वाभा-  
षाभित्तिः प्राप्नुवति सुडुह्त्तम् MBh. 13, 502. रोहते शायकैर्विहं वनं  
परशुना कृतं । वाचा डुह्त्वा विहं न संरोहति वाक्चतम् ॥ 4987; vgl.  
PĀṆKAT. III, 112. न डुह्त्वाप्यं स्पृह्येत् RV. 1, 41, 9. 147, 4. Pār. GRH. 2,  
2. Gobh. 2, 10, 32. डुह्त्वाक्त Ait. Br. 1, 16. डुह्त्वास्त्य भयाद्वाजनाभाषते  
च किं च न MBh. 13, 501. 3, 10616. 11189. यत्र सूक्तं डुह्त्वा च समं स्यात्  
— न तत्र प्रलपेत्प्राज्ञो बधिरेषिव गायनः 5, 3290. 6, 5850. PĀṆKAT. II,  
181. डुह्त्वार्ममं पस्पृशुः Bṛāṣ. P. 3, 4, 1. 18, 9. 4, 6, 6. 47. 5, 3, 30. 7, 8, 15.  
वाङ्मुह्त्वा n. dass. MBh. 8, 3454. 1, 3330. — 2) adj. mit harten Worten  
angefahren: ताडितो ऽपि डुह्त्वा ऽपि दण्डितो ऽपि महीभुजा PĀṆ-  
KAT. I, 100.

डुह्त्वा (2. डुष् + उक्ति) f. ein hartes, verletzendes Wort Bṛāṣ. P. 3,  
18, 6. 4, 3, 19. 7, 15. personif. eine Tochter Krodha's von der Himsā  
und Schwester und Gemahlin Kali's, der mit ihr Bhaja und Mrtju  
zeugt, 8, 3. 4.

डुह्क्वे (2. डुष् + उ) adj. schwer auszurotten, — zu vernichten:  
शत्रु KULL. zu M. 7, 210. PRAB. 76, 9.

डुह्क्वेय s. u. उक्वेय.

डुह्त्तर (2. डुष् + 2. उत्तर) adj. worüber man schwer hinwegkommt,  
schwer zu überwinden: क्लेशाः KATHās. 26, 110. डुःख KULL. zu M. 9, 161.

डुह्त्सह (2. डुष् + उ) adj. f. आ schwer zu tragen: गङ्गायाश्च डुह्-  
त्सहम् । मूर्धा धारां मरुदेवः शिरसा यामधारयत् ॥ MBh. 13, 4932. schwer  
zu ertragen: वियोग RAGH. 19, 43. dem schwer zu widerstehen ist: सर्व-  
था तम् — देवैरपि डुह्त्सहः MBh. 5, 3305. 9, 1384. 12, 3031.

डुह्त्सह (2. डुष् + उ) adj. dem schwer zu widerstehen ist: (पुत्र-  
स्तु ते) डुह्त्सहो बभौ युद्धे MBh. 9, 1130.

डुह्दय (2. डुष् + उ) adj. schwer zur Erscheinung kommend, sich  
nicht leicht manifestierend: (भगवान्) यो ऽनात्मनो डुह्दयः Bṛāṣ. P.  
3, 13, 50.

डुह्दाकर (2. डुष् + उ m. nom. act. von कर mit उदा) adj. f. आ  
schwer auszusprechen WILS.

डुह्दह (2. डुष् + उ m. nom. act.) adj. f. आ schwer zu tragen, —  
zu ertragen: धुर MBh. 5, 3147. डुःख ÇĀK. 78, v. 1.

डुह्दरा (= δουροπρία sanskritisch zugestutzt) f. eine best. Mondstel-  
lung VARĀH. LAGBUD. 9, 1. Bṛh. 13, 3. 6.

डुह्पक्रम (2. डुष् + उ) adj. f. आ dem schwer zu nahen ist, schwer  
zu behandeln (medic.) WILS.

डुह्पचार (2. डुष् + उप) adj. f. आ dem schwer zu nahen oder mit  
dem es schwer zu thun zu haben ist: (राष्ट्रपतिः) आशीविष इव डुह्प-  
चारा PĀṆKAT. 203, 5.

डुह्पलत (2. डुष् + उ m. nom. act. von लत् mit उप) adj. schwer  
zu bemerken: कूटकर्माणि DAÇAK. in BENF. Chr. 183, 18.

डुह्पसर्पिन् (2. डुष् + उप) adj. unvorsichtiger Weise hinzutretend:  
दक्ष्यमिन्नं डुह्पसर्पिणम् M. 7, 9.

डुह्पस्थान (2. डुष् + उ) adj. f. आ dem schwer zu nahen ist WILS.

डुह्पय (2. डुष् + उपाय m. nom. act.) s. u. उपाय.

डुह्फ s. डुह्फ.

डुह्त्वा Suçā. 2, 12, 7. 17 fehlerhaft für हृत्वा.

डुह्त्वा (2. डुष् + 2. उक्त) adj. schwer zu erschliessen, — zu begreifen, —  
zu verstehen Cit. bei MALLIN. zu KUMĀRAS. 5, 2. Glt. 1, 4. Verz. d. Oxf. H.  
132, a, 1. No. 234, Ç. 1. 2. MADHUS. in Ind. St. 1, 17, 12. डुह्त्वा n. nom.  
abstr. Schol. zu KAP. 1, 110.

डुह्त्वा (2. डुष् + 2. एव) adj. übelgeartet, schlimm; subst. Uebelthä-  
ter: प्रादेवीमीयाः संकृते डुह्त्वाः RV. 5, 2, 9. अमति 10, 42, 10. त्रायधं नो  
डुह्त्वाया अभिहृतः 63, 11. अथ न गूळ्ममिच्छना डुह्त्वाः (अप्सु) 1, 117, 4.  
मा डुह्त्वा उत्तरं सुप्रमुत्रशन् 2, 23, 8. नि कर्म मन्थं डुह्त्वाय शर्धतः 12. 4, 3,  
5. 41, 4. 6, 16, 31. 7, 68, 7. 10, 87, 18. 89, 9. पातुधानाः 120, 4. AV. 12, 2,  
26 (अशेवाः RV.).

डुह्त्वा (absol. von उच् mit 2. डुष्) adv. ungern: नि यो गृभं पौरुषे-  
यीम्वोचं डुह्त्वाकमिष्टायवे प्रशोच RV. 7, 4, 3.

डुह्त्वा n. Wohnung, Heimath NAIÇH. 3, 4. Ntr. 4, 5. नि डुह्त्वाणि अमृता  
मर्त्यानां राता ससाद RV. 3, 1, 18. 4, 13, 1. 7, 7, 4. 42, 4. अपाम् 3, 25, 5. स-  
तस्य 7, 60, 5. इमे गूळा अश्विनेदं डुह्त्वाणाम् 5, 76, 4. यथा शमधं क्मसंदुह्त्वाणि  
10, 37, 10. VS. 33, 72. AV. 7, 17, 3. — Enthält wohl 1. डुर = दारु; vgl.  
डुर्याण.

डुर्याण्यु (vom vorberg.) adj. das Haus liebend, von Agni RV. 8, 49, 19.

डुर्याणसद (डु + सद) adj. im Hause weinend RV. 4, 40, 5.

डुरेदर 1) m. Würfeler, Würfelspieler AK. 3, 4, 25, 173. H. an. 4, 257.  
MED. r. 269. MBh. 2, 2000. 3, 609. 5, 36. — 2) Würfelbecher: अद्यातो सौ-  
बलः कृत्वा गूळान् जानातु वै शरान् । डुरेदरं च गाण्डीवं मण्डलं च रयं म-  
म ॥ MBh. 8, 3763. — 3) m. Einsatz beim Würfelspiel AK. H. an. MED.  
— 4) n. Würfelspiel AK. H. 486. (nach dem Schol. auch m.) H. an. (m).  
MED. RAGH. 9, 7. DAÇAK. in BENF. Chr. 186, 6. डुरेदरं पाण्डवैस्त्वं कुरुष्व  
MBh. 2, 1978. गृह्णन्तान् डुरेदरे 7, 4870. eine Schlacht mit einem Würf-  
elspiele verglichen: प्राणादाने मरुधारे वर्तमाने डुरेदरे । संप्राप्ते घोररूपे  
तु यमराष्ट्रविवर्धने ॥ 9, 533. कथं च युद्धं संभूतं तयोः प्राणडुरेदरे im Spiel  
um's Leben 7, 5458. ततस्तयोर्बुद्धमतीव दारुणं प्रदीव्यतोः प्राणडुरेदरं  
द्वयोः 8, 4210. — डुरेदर zerlegt sich viell. nur scheinbar in डुरो (acc.  
pl. von 1. डुर) + दर die Thüren sprengend; vgl. डुरदम्.

डुरेदर (viell. 2. डुष् + ओष; vgl. 1. ओषम्) adj. langsam, lässig: डु-  
रेदरोऽसौ अमन्महि RV. 8, 1, 13. तं डुरेदरममी नरः सोमं विश्वाच्या धिया ।  
यत्तं हिन्वत्यग्निभिः 9, 101, 3.

डुरेदरम् adj. dass., nach SĀS. dessen Grimm schwer zu bewältigen ist:  
आ डुरेदराः पास्त्यस्य कोता यो नो मरुत्संवरणेषु वद्विः RV. 4, 21, 6.

डुर्ग (2. डुष् + 1. ग als nom. act.) P. 3, 2, 48. Vārtt. 3. 1) adj. f. आ  
wo schwer zu gehen ist, wohin schwer zu gelangen ist, schwer zu pas-  
siren, unwegsam, unzugänglich H. an. 2, 33. MED. g. 7. डुर्गा तस्मा अ-  
धिष्ठाने पृथिवी AV. 12, 4, 23. डुर्गाः स्त्रियाः 10, 1, 16. गिरौ रम्ये डुर्गान्दे-  
शान् MBh. 1, 4648. देशो ऽत्ययं डुर्गतमः 3, 10837. KATHās. 11, 81. नदो R.  
4, 41, 10. °गम्भीरपरिखा 1, 5, 10. वन 26, 13. 2, 27, 7. 3, 5, 21. N. 12, 63.  
विधमन्ति स्म डुर्गाणि स्थलानि च R. 2, 80, 8. KATHās. 7, 111. 18, 96. पु-  
री HARIV. 3100. गुहा R. 3, 30, 12. यदुस्तरं यदुरायं यदुर्गं यच्च डुष्करम्  
M. 11, 238. उत्पत्यधन्यशरणं उरुक्लेशडुर्गं unwegsam durch Bṛāṣ. P. 4,  
7, 28. द्वारकाम् — वारिडुर्गाम् unzugänglich durch Wasser HARIV. 6426.  
पातुधानपूतनामसिप्रूलं डुर्गाम् Bṛāṣ. P. 9, 10, 19. लङ्का — देवडुर्गा un-